https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कभी कभार होने वाले वास्कुलिटिक बीमारियां

के संस्करण 2016

7. दिमाग की प्राइमरी अंजिटिस

7.1यह क्या है?

दिमाग की प्राइमरी अंजिटिस (पि ऐ सी न स) बच्चों की दिमाग की बीमारी है जो दिमाग़ की छोटी और मध्यम श्रेणी की रक्त धमनियों को प्रभावित करती है। उसका कारण पता नहीं है पर कुछ बच्चो में पहले खसरा हुआ होता है। इससे लगता है कि शायद संक्रमण से इसकी प्रक्रिया शुरू होती है।

7.2 क्या यह सामान्य है?

यह बहुत दुर्लभ बीमारी है।

7.3 इसके क्या प्रमुख लक्षण हैं?

इसकी शुरआत अचानक एक अंग के हिलने या कमजोरी (अधरंग) से ,मिरगी के दौरों या गंभीर सिरदर्द से हो सकती है। कभी कभी दिमाग के कई हिस्सों में प्रभाव के कारण व्यवहार में परिवर्तन भी इसके शुरआती लक्षण हो सकते है। अधिकतर बुखार और खून की जाँच में प्रवजलन के लक्षण नहीं होते है।

7.4 इसका निरिक्षण कैसे किया जाता है?

खून की जाँच व दिमाग के पानी की जाँच दूसरी दिमाग की बिमारिओ जैसे संक्रमण, खून जमने के कारण होने वाली बीमारी को नकारने में सहायक होते हैं। दिमाग और रीड की हड्डी के एक्सरे ही इसके प्रमुख जाँचे हैं। मैग्नेटिक रेजोनेंस एंजियोग्राफी (म र अ) या एंजियोग्राफी (एक्सरे) से मध्यम या बड़ी नसों में प्रभाव को देखा जाता है। जाचों को बार बार कर बीमारी की प्रगति को देखा जाता है। यदि बच्चे में नस में प्रभाव नहीं दीखता है तो यह सोचा जाना चाहिए की छोटी नसे प्रभावित हैं। उसको दिमाग की बीओप्सी कर पता किया जा सकता है।

7.5 क्या इलाज़ है?

खसरे के बाद होने वाली बीमारी में थोड़े दौरान(३माह) के लिए स्टेरॉयड देना से बीमारी रुक जाती है। यदि उचित हो तो वायरस के ऊपर काम करने वाली दवा भी दी जाती है (एकीक्लोवीर)। यह स्टेरॉयड उन्हीं को दिए जाते है जिनकी बीमारी एंजियोग्राफी में पायी जाती है पर ज्यादा बढ़ती नहीं है।यदि बीमारी बढ़ती है तो (जैसे दिमाग में कते बढ़ना), दिमाग में खराबी आने को रोकने के लिए इम्यून सिस्टिम को दबाने वाली दवाओं से सघन इलाज़ करना पढ़ता है। बीमारी की शुरआत में सिक्लोफोस्फेमिडि दी जाती है और बाद में उसे के स्थान पर और दवाएं (अज़थीपरिन या मयकोफेनॉलाट) दी जाती है। खून को जमने की क्षमता काम करने वाली दवाएं (एस्पिरिन) भी दिए जा सकते है।